26/08/2020

Social Psychology

Paper V

B.A. III (Hons.)

Traits of Leadership.

नेतृत्व के शीलगुण।

अध्ययनों में अनेक प्रविधियों का प्रयोग कर के नेतृत्व के लिए जो गुण उत्तरदायी होते हैं, उनका निरिक्षण किया गया है। इस सम्बन्ध में Stogdill का अनेक अध्ययनों का सर्वेक्षण बहुत अधिक महत्व रखता है। उनके दृष्टिकोण के आधार पर तथा दूसरे प्रयोगात्मक अध्ययनों के आधार पर हम नीचे कुछ महत्वपूर्ण गुणों का वर्णन करेंगे, जो की नेतृत्व के लिए आवश्यक समझे जाते हैं।

1. शारीरिक एवं दैहिक तत्व (Physical and Constitutional Factors) –

(i) ऊंचाई (Height) –

ऊंचाई नेतृत्व के विकास के लिए उत्तरदाई होती है। Stogdill के सर्वेक्षण के अध्ययनों में भी यह पाया गया कि अधिकाँश नेता अनुयाइयों से अधिक लम्बे थे किन्तु दो में वे छोटे पाए गए। Gowin के इस प्रकार के अन्य अध्ययन इस ओर संकेत करते हैं कि लम्बाई नेतृत्व का एक महत्वपूर्ण गुण है। किन्तु याद रखना चाहिए कि अनेक समय प्रसिद्ध नेता काम ऊंचाई वाले भी मिलते हैं। ऊंचाई या लम्बाई नेतृत्व का एक महत्वपूर्ण तत्व है, जबकि इसे दूसरे तत्वों के सेह-सम्बन्ध में लिया जाता है।

(ii) भार (Weight) –

Bellingreth, Gowin, Patridge, Zeleny इत्यादि के अध्ययन इस ओर संकेत करते हैं कि नेता बड़े और भारी शरीर वाले होते हैं। लेकिन यह याद करना चाहिए कि भार उन्ही दशाओं में महत्वपूर्ण तत्व है, जिनमें की यदि निवासियों की भांति दूसरे समूह के सदस्यों से शारीरिक लड़ाई लड़ना आवश्यक समझा जाता है ऐसे समूहों में जिनमें की शारीरिक शक्ति की आवश्यकता सामूहिक क्रियाओं के लिए नहीं है, नेता दूसरे व्यक्तियों से हलके-फुल्के हो सकते हैं।

(iii) शारीरिक गठन, शक्ति एवं स्वास्थ्य (Physique, Energy and Health)–

नेता का शारीरिक गठन शक्ति एवं स्वास्थ्य उन व्यक्तियों से, जो नेतृत्व नहीं करते, अधिक अच्छा होना चाहिए। किन्तु यह तत्व भी उन सामूहिक क्रियाओं पर निर्भर है कि जिनमें नेता को भाग लेना है।

(iv) रंग-रूप (Appearance) –

अनेक अध्ययनों द्वारा इस बात के संकेत मिलते हैं कि व्यक्ति के रंग-रूप तथा नेतृत्व के कार्य में सकारात्मक सम्बन्ध है। Dunkerley के अध्ययनों के आधार पर कहा जा सकता है कि रंग-रूप तथा नेतृत्व स्थिति में सम्बन्ध बहुत बड़ी सीमा तक उनके मूल्यों पर निर्भर रहता है जो समूह रंग-रूप तत्वों को प्रदान करता है।

2. बुद्धि (Intelligence) –

सामान्य रूप से नेता को अपने अनुयाइयों से अधिक बुद्धि वाला होना चाहिए। अनेक अध्ययनों द्वारा सिद्ध हो चूका है कि नेता अनुयाइयों से अधिक बुद्धिमान तथा श्रेष्ट बुद्धि के होते हैं। Cattell and Slice ने अपने अध्ययन में देखा कि नेता अनुयाइयों से ऊँची बुद्धि के थे। अनेक अध्ययनों से एक रोचक निष्कर्ष निकला है। इन अध्ययनों से पता चला कि नेता का बुद्धि-स्तर अनुयाइयों से बहुत अधिक मात्रा में ऊँचा नहीं होना चाहिए।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि बुद्धि-तत्व किन परिस्थितियों में उभरता है, इनके अनुरूप महत्त्व रखता है। उदाहरण के लिए - एक नेतृत्व की स्थिति में जिसमें सूचना एवं मानसिक कुशलता आवश्यक है, सबसे अधिक बुद्धिमान व्यक्ति नेता होगा, किन्तु उन परिस्थितियों में जिनमें की दिनचर्या, यांत्रिक क्रियाओं आदि की आवश्यकता होगी, उसमे कोई आवश्यक नहीं है कि बुद्धिमान व्यक्ति नेता बने।

3. आत्म-विश्वास (Self-Confidence) –

नेता में आत्म-विश्वास का गुण पाया जाता है। Brown तथा Harrell के अध्ययनों से प्रमाणित होता है कि सफल नेतृत्व के लिए नेता में आत्म-विश्वास का होना आवश्यक है। नेतृत्व के सभी प्रकारों में एक निश्चित मात्रा में इस गुण का उपस्थित रहना आवश्यक है।

4. सामाजिकता (Sociability) –

सामाजिकता नेता का एक प्रमुख गुण है। सफल एवं उच्च कोटि के नेता हमेशा सामाजिक जमघट एवं मित्रता पसंद करते हैं। उनमें अपने अनुयाइयों से मिलने तथा उनके विचारों एवं मनोवृत्तियों को समझने की तीव्र प्रवृत्ति होती है। Sherif तथा Cattell एवं Slice ने यह बताया है कि जब नेता में सामाजिकता का शीलगुण होता है तो इससे उनमें एवं अनुयाइयों में पारस्परिक सम्बन्ध अधिक घनिष्ट एवं दृढ़ होता है और उनके नेतृत्व की सफलता चरम कोटि पर होती है।

5. <u>इच्छा शक्ति (Will Power) –</u>

नेताओं में उच्च इच्छा-शक्ति तथा कार्य में मगन रहने के गुण होने चाहिए। इस सम्बन्ध में Hanawalt के अध्ययन महत्वपूर्ण हैं। अनुयाई उस नेता का आदर करते हैं जिसमें की इच्छा-शक्ति और कार्य में लगन के गुण होते हैं, क्यूंकि यह गुण नेता को अनेक उन समस्याओं को हल करने योग्य बनाते हैं जिनको की अनुयाई हल करने में असफल रह जाते हैं।

6. <u>प्रभुत्व (Dominance) –</u>

कुछ मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रभुत्व का गुण नेतृत्व के उभारने के लिए आवश्यक माना गया है। Hunter and Jordan के अध्ययन एवं Richardson तथा Hanawalt के अध्ययनों ने प्रदर्शित किया है कि नेता अनुयाइयों से अधिक प्रभुत्वशाली होते हैं। अन्य अध्ययनों में प्रभुत्व तथा नेतृत्व में सह-सम्बन्ध स्थापित नहीं हो पाया। Stogdill के सर्वेक्षण में कुछ ऐसे अध्ययन सम्मिलित किये गए जिन्होंने प्रदर्शित किया कि नेताओं एवं अनुयाइयों के प्रभुत्व में कोई अंतर नहीं था। सांख्यकी रूप में मनहत्वपुर्ण निष्कर्ष नेता तथा अनुयाई के बीच में प्रभुत्व के गुणों में विभिन्नता के सम्बन्ध में नहीं पाए गए। इस प्रकार से हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि हमारे पास जो कुछ तथ्य है वे इस बात का संकेत नहीं करते हैं कि नेतृत्व प्रभुत्व की आवश्यकताओं पर निर्भर रहता है।

7. <u>चमत्कार (Charishma) –</u>

कुछ नेताओं में एक विशेष प्रकार का चुम्बकीय आकर्षण होता है। यह गुण Kennedy, Hitler आदि नेताओं में देखा गया। Max Weber के अनुसार यह एक अलौकिक गुण (supernatural quality) है, जिसका आनुभविक अध्ययन (empirical study) असंभव है। उनके अनुसार विशेष रूप से संकट के समय नेता कुछ ऐसा अलौकिक तथा अनहोनी कार्य कर बैठता है कि लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं। ऐसे नेता के एक ओर प्रशंसक होते हैं और दूसरी ओर कठोर आलोचक तथा निंदक होते हैं।

8. <u>बहिर्मुखता (Extroversion) –</u>

विश्वास किया जाता है कि नेता में बहिर्मुखता का शीलगुण पाया जाता है। अंतर्मुखी व्यक्ति (introvert) की अपेक्षा बहिर्मुखी व्यक्ति के नेता होने की सम्भावना अधिक होती है। कारण - ऐसा व्यक्ति अधिक बोलता है, दूसरों से मिलता-जुलता है, तथा लोगों को संगठित करने में सफल होता है। Mann के अध्ययन से इस विचार का समर्थन होता है। लेकिन, सभी प्रकार के समूहों के नेतृत्व पर यह बात आवश्यक रूप से लागू नहीं होती है।

9. <u>सत्तावादिता (Authoritarianism) –</u>

सामान्यतः विश्वास किया जाता है कि नेता में सत्तावादिता तथा नेतृत्व के बीच नकारात्मक सह-सम्बन्ध (negative corelation) होता है। (Brown, Couch and Denston)

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि नेता या नेतृत्व के उपर्युक्त कई शीलगुण या विशेषताएं हैं। अतः किसी व्यक्ति में वे सभी शीलगुण जिस संख्या तथा मात्रा में उपलब्ध होते हैं, उसी सीमा तक उसके नेता होने की सम्भावना अधिक होती है, यदि अन्य बातें सामान हों।

Dr. Hena Hussain

Asst. Professor

Department of Psychology

Oriental College, Patna City

WhatsApp No. – 9334067986

Email-drhenahussain@gmail.com